अन्तराष्ट्रीय श्री अन्न सम्मलेन के शुभ अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र रामगढ़ में किसान गोष्ठी एवं दिल्ली में आयोजित कान्फ्रेंस का लाइव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन।

कृषि विज्ञान केंद्र मांडू रामगढ़ में शनिवार को अन्तराष्ट्रीय श्री अन्न सम्मलेन के शुभ अवसर पर किसान गोष्ठी एवं दिल्ली में आयोजित कान्फ्रेंस का लाइव प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री बैजनाथ राम, मुखिया, मांडू डीह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत केंद्र के वर्तमान प्रभारी डॉ इंद्रजीत ने किया। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को मोटे अनाज की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए

कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। विश्व अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष मना रहा है और भारत इस अभियान की अगुआई कर रहा है। उन्होंने किसानो को मोटे अनाज कि खेती कि ओर अग्रसर होकर माननीय प्रधानमंत्री के संकल्प एवं भारत के इस अभियान की अगुआई को सफल बनाये पर बल दिया। कार्यक्रम में केंद्र के कार्यकारी प्रभारी डॉ इंद्रजीत ने किसानों को बताया कि छोटे अनाजों में कुटकी, कांगनी, कोदो, मडुआ जिसमें कैल्शियम, आयरन फाइबर समेत कई न्यूट्रिएंट्स का अच्छा स्रोत है और यह बेहद कम

लागत में उगने वाले मिलेट्स रोग प्रतिरोधी क्षमता को भी बढ़ाते हैं और इससे मिट्टी का स्वास्थ्य अच्छा रहता है वही इसका सेवन करने से शरीर को भी वह सभी पोषक तत्व मिल जाते हैं। जो साधारण खानपान से मुमकिन नहीं है, यही वजह है कि अब बेहतर स्वास्थ्य के लिए चिकित्सक भी डाइट में 15 से 20 प्रतिशत मिलेट्स को शामिल करने की सलाह देते हैं।

इसके उत्पादन के लिए हमारे किसान भाइयों को ना तो बहुत अधिक उर्वरक की जरूरत है, ना बहुत अधिक पानी की जरूरत है। इसको बंजर भूमि, टाड जमीन जहां पानी की बहुत कम सुविधा हो वहां भी इसका उत्पादन आसानी से कर सकते हैं और इसका अधिक से अधिक मूल्य भी प्राप्त कर सकते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र का प्रयास है कि किसान भाई मोटे अनाजों का अधिक से अधिक उत्पादन करें और अच्छा मूल्य प्राप्त करें जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आये। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ धर्मजीत खेरवार ने बताया कि पौष्टिकता हमारे स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से लाभप्रद होने के बावजूद शहरीकरण, आधुनिकीकरण,

बदलते सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश एवं दूसरे मुख्य अनाजों एवं तुलना में कम आर्थिक प्रतिस्पर्धा के कारण पिछले कुछ दशकों में मोटे अनाजो की खेती एवं वृहद स्तर पर खाने में तेजी से कमी आई है। लोगों के प्रति दिन की आहार में पुनः स्थापित करना अतिआवश्यक है क्योंकि यह हमारे स्वस्थ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अन्न है इसके भोजन में उपयोग से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता में वृद्धि होती है। केंद्र के सनी कुमार ने किसानों को मडुआ की खेती की ओर प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मिलेट्स को श्रीअन्न कहा गया है हमारे देश में मिलेट्स की खेती 12-13 राज्यों में की जाती है, इसकी

घरेलू खपत बहुत कम थी लेकिन अब इसकी खपत बढ़ रही है, ज्यादातर मिलेट्स को उगाना भी आसान होता है इसमें खर्च भी बहुत कम होता है और दूसरी फसलों की तुलना में यह जल्दी तैयार भी हो जाते हैं। इसमें पोषण तो ज्यादा होता ही है साथ में स्वाद में भी विशिष्ट होते हैं इसकी खेती कर किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। कार्यक्रम में किसानों को ग्लोबल मिलेट्स कॉन्फ्रेंस का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी जी ने किया और उनके इस कार्यक्रम में संबोधन को किसानों को सुनाया गया जिसमें माननीय प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज पर डाक टिकट- सिक्का जारी किया और कहा कि मिलेट्स की कामयाबी भारत की जिम्मेदारी एवं यह दुनिया की भलाई के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल वैश्विक भलाई के लिए जरूरी है बल्कि वैश्विक भलाई में भारत की बढ़ती जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। कार्यक्रम में किसानों ने कॉन्फ्रेंस में माननीय प्रधानमंत्री जी का संबोधन ध्यानपूर्वक देखा सुना और मिलेट्स की खेती के लिए प्रोत्साहित हुए। आयोजन में केंद्र के शशिकांत चौबे समेत रामगढ़ जिले के विभिन्न गांव से 70 से अधिक किसान उपस्थित रहे।